POLITICAL SCIENCE Dep.
B.A-2 (Sub.)

Dr. HUSNA ARA
Asst. Professor
Dr. L.K.V.D. College, Tajpur,
Samastipur

③ संविधानवाद की विकासशील लोकतंत्र की अवधारणा

विकासशील देशों में संविधानवाद अभी पूरी तरह स्थायी नहीं हो पाया है। राजनीतिक प्रक्रियाएँ संक्रमण की अवस्था में ही अभी चल रही हैं। यहाँ पर राजनीतिक संस्थाओं, मूल्यों, अभिवृत्तियों का विकास अभी पूरी तरह नहीं हो पाया है। अधिकांश विकासशील देश साम्राज्यवादी शक्तियों के दमन व शोषण के शिकार रहे हैं। ये काफी लंबे समय तक साम्राज्यवादी शक्तियों के उपनिवेश रहे। यहां आर्थिक विकास की समस्या, राजनीतिक स्थायित्व की समस्या आदि पाई जाती है। फिर भी यहाँ संविधानवाद के कतिपय लक्षण स्पष्ट होने लगे हैं जैसे - यहाँ संविधान मिश्रित प्रकृति का है, संविधानवाद प्रवाह के दौर में है।

कतिपय विकासशील लोकतांत्रिक देशों में राजनीतिक संस्थाओं एवं मूल्यों का विकास एवं स्थापित आने लगा है। यहां पर लोकसंघ, कार्यपालिका, व्यवस्थापिका, न्यायपालिका आदि का विकास हुआ है।

Scanned with CamScanner